रिपोर्ट

जिला फतेहपुर उत्तर प्रदेश में 8 अक्टूबर, 2014 को दो लोगों की एक ही साथ मृत्यु तथा खसरा और जेई के चलते अस्पताल में भर्ती होना व टीकाकरण

1. परिचय

समाचार पत्रों ने खबर प्रकाशित की कि जिला फतेहपुर उत्तर प्रदेश में 08 अक्टूबर 2014 को दो लोगों की मृत्यु हुई तथा खसरा व जेई से बचाव के लिए अस्पताल में भर्ती कर टीकाकरण कराया गया। दो मौतों की प्राथमिकी 11 अक्टूबर 2014 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के टीकारण प्रभाग को प्राप्त हुई। उसी दिन, टीकाकरण प्रभाग ने अनुरोध किया था कि जितनी जल्दी संभव हो उतनी जल्दी इन मौतों की जांच करे। डॉ पन्ना चौधरी (सदस्य, राष्ट्रीय एईएफआई समिति और बाल चिकित्सा इंडियन एकेडमी), डॉ ज्योति जोशी जैन, वरिष्ठ सलाहकार - एईएफआई और डॉ दीपक पोल्पाकारा, कार्यक्रम प्रबंधक - एईएफआई, टीकाकरण तकनीकी सहायता इकाई (आईटीएसयू) - स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 14 अक्टूबर 2014 को फतेहपुर का दौरा किया और मौतों की जांच की।

2. संचालित की गई गतिविधियां

लोगों से मुलाकात, भ्रमण किए गए स्थान और संचालित की गई गतिविधियों की सूची नीचे दी गई है-

स्थानों का दौरा किया	लोग से मुलाकात / साक्षात्कार	गतिविधियां
सीएमओ कार्यालय	डीआईओ; सीएमओ; एमओआईसी पीएचसी, एएस एएनएम, उप केन्द्र, ग्राम एम	डीआईओ, फतेहपुर, यूपी की ओर से राज्य एवं जिले के अधिकारियों द्वारा की गई प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों पर वार्ता। लाभार्थियों की सूची, सूचित एईएफआई की सूचित संख्या पर स्पष्टीकरण और सूचित मौतों के संबंध में टीकाकरण्ा सत्र के पहले, बाद में एवं दौरान की गई गतिविधियां।
जिला अस्पताल	सीएमएस वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ ड्यूटी पर ईएमओ	भर्ती का विवरण, निदान का इतिहास, भर्ती किए गए मरीजों का उपचार और डिस्चार्ज। भर्ती कराए गए मरीजों का चिकित्सीय रिकॉर्ड एकत्रित किया। निदान के बारे में डॉक्टरों की राय ली।
गांव एम	बच्चे ए के माता-पिता (अस्पताल में भर्ती कराया गया, परिणाम - मृत्यु), बच्चा एम (भर्ती नहीं कराया गया, परिणाम-मृत्यु), बच्चा-एम (भर्ती, डिस्चार्ज, स्वस्थ), बच्चे एएम के रिश्तेदार (निरीक्षण के लिए भर्ती, डिस्चार्ज, स्वस्थ), बच्चा एसएन (निरीक्षण के लिए भर्ती, डिस्चार्ज, स्वस्थ)	टीकाकरण, नैदानिक, व्यक्तिगत, परिवार के इतिहास, स्वास्थ्य के प्रति व्यवहार, समुदाय जांच, अधिक प्रभावित मामलों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, आदि के बाद की गतिविधियों का क्रम।
पीएचसी एस (पिछला कोल्ड चेन बिंदु जहां सत्र के लिए टीके का वितरण किया गया)	एमओआईसी पीएचसी एस	आईएलआर तथा डीएफ की पड़ताल, तापमान का रिकॉर्ड, वैक्सीन तथा लॉजिस्टिक्स और दैनिक मुद्दा रजिस्टर, एवीडी प्लान, खसरे की शीशियां और एंपल्स, जेई वैक्सीन और सत्र के दौरान इस्तेमाल मंदक, आदि।

3. जाँच - परिणाम

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में 8 अक्टूबर 2014 को गांव एम, उपकेंद्र एम, पीएचसी एस में खसरा और जेई टीकाकरण के चलते दो एईएफआई मौतों और 20 के अस्पताल में भर्ती होने की खबर मीडिया में प्रकाशित हुई थी। 11 अक्तूबर 2014 को 11 स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के टीकाकरण प्रभाग में इसकी प्रथमिकी प्राप्त हुई थी। बाद के दिनों में अधिक एफआईआर, पीआईआर और हॉस्पिटल रिकॉर्ड आदि और दो मौतों की प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट जिले से प्राप्त हुई थीं।

दो गांव - एम तथा आर - जिला फतेहपुर की पीएचसी एस के अधीन आते हैं। 8 अक्टूबर 2014 को दो गांवों में दो अलग टीकाकरण सत्र दो अलग एएमएम के द्वारा चलाया गया।

गांव एम में टीकाकरण सत्र आंगनबाड़ी केंद्र पर चलाया गया। वहां 14 बच्चों और कुछ गर्भवती महिलाओं का टीका लगाया गया। इनमें से दो लड़के और लड़की टीकाकरण के 12 घंटे के भीतर बीमार पड़ गए। एक लड़के की घर में ही बिना इलाज के मौत हो गई (इलाके लिए ले जाया ही नहीं गया)। एक और लड़के की मौत अस्पताल में हो गई। लड़की को अस्पताल में भर्ती कराया गया और वह उपचार के बाद घर आ गई। ये तीनों ही गांव एम से थे। इन मौतों और अस्पताल में भर्ती करने से वहां सामुदायिक चिंता बढ़ गई। एक राज्य राजमार्ग को अवरुद्ध किया गया था। जिला और ब्लॉक स्तर के प्रशासनिक और स्वास्थ्य अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया। अगले दिन सुबह गांव एम से एंबुलेंस से 12 बच्चों को बुखार या अन्य लक्षणों के चलते जिला अस्पताल इलाज या निरीक्षण के लिए ले जाया गया। इन 12 बच्चों में से 4 को भर्ती किया गया। इन्हें टीका तो नहीं लगा था लेकिन वे बीमार थे इसलिए भर्ती किया गया। सभी को उसी दिन शाम को डिसचार्ज कर दिया गया। जो बच्चे बीमार पड़े या अस्पताल में भर्ती किए और वहां से स्वस्थ होकर निकले, इसके साथ ही 8 अन्य जिन्हें टीका लगा था, मामूली प्रभाव झेला था उन्हें अस्पताल में निरीक्षण के भर्ती कराया गया और कुछ घंटों के बाद ही डिसचार्ज कर दिए गए, इन सभी के बारे में प्राथमिकी दर्ज की गई। उसी दिन टीकाकरण किए गए 14 बच्चों में से 3 को कोई साइड इफेक्ट नहीं हुआ और न ही उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

गांव आर में चले टीकाकरण सत्र में उस दिन 7 बच्चों को टीका लगाया गया था। किसी को भी कोई गंभीर एईएफआई नहीं हुआ। सभी को निरीक्षण के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया और उसी दिन डिसचार्ज कर दिया गया था। इन सात मामलों की भी प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

सभी 18 मामले जांच के लिए सूचित किए गए थे। विवरण अनुलग्नक 2 में दिए गए हैं।

<u>व्यक्तिगत मामलों का इतिहास</u>

ए) मामले का इतिहास - बच्चा ए, 10 महीने, पुरुष। अस्पताल में भर्ती, मृत्यु।

वर्तमान बीमारी का इतिहास (स्रोत - बच्चा ए की मां) -

बच्चा ए स्वस्थ था और 8 अक्टूबर 2014 की सुबह खेलकूद रहा था। दोपहर बाद करीब 1:30 बजे उसे टीका लगाया गया। इसके बाद बच्चा करीब डेढ़ घंटे तक सोया और उसे तेज बुखार आ गया और उसका बदन कांपने लगा (कंपकंपी), साथ ही उल्टी और दस्त शुरू हो गए। पूरी रात उसे तेज बुखार और उल्टी-दस्त होते रहे। मां ने पैरासीटामाल गोली का एक चौथाई हिस्सा दिया, लेकिन वह बेअसर रहा। 7-8 उल्टियां होने के बाद शाम करीब 7:00-7:30 बंद हो गया। शुरुआत में दस्त पीला था जो बाद में पानी में बदल गया। बुखार, दस्त, उल्टी के बाद बच्चे ने सिर्फ एक बार स्तनपान किया (जो तुरंत उल्टी से निकल गया)। इसके बाद बच्चे की मौत हो गई।

शाम 07:00 से - 7:30 बजे के करीब बच्चे की चेतना खो गई। मां ने विशेष रूप से यह कहा कि बच्चा अचेत था क्योंकि उसने चिकोटी काटने पर भी जवाब नहीं दिया। वे घबरा गए और एएनएम को बुलाया जिसने जिला अस्पताल फतेहपुर ले जाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था की, जो सड़क मार्ग से करीब एक घंटा की दूरी पर है। बच्चे को रात करीब 10:30 बजे भर्ती कराया गया और ड्रिप के तौर पर उसका उपचार शुरू हुआ (IV तरल पदार्थ, इंजेक्शन सिफोटैक्साइम, इंजेक्शन मेट्रोजिल, इंजेक्शन पीसीएम, इंजेक्शन डायजीपाम)। रात 12:30 बजे बच्चे को एक फिट आया ('दौरा पड़ना') था। डॉक्टर ने इंजेक्शन इप्सोलिन, इंजेक्शन पीसीएम के साथ ठंडे पानी से पोंछने के लिए कहा था ताकि फिट आगे न हो।

इसके बाद परिजनों से कहा गया था कि वे बेहतर उपचार के लिए बच्चे को कहीं और ले जा सकते हैं। मां के अनुसार उस समय तक बच्चे के होंठ नीले पड़ने शुरू हो गए थे। इसके बाद उसे फतेहपुर में दो निजी बाल रोग विशेषज्ञों के पास ले जाया गया था। रात 2 से 2:30 बजे के बीच बच्चे को मृत घोषित किया गया था।

पिछला चिकित्सा इतिहास : महत्वहीन

बच्चे को कोई उल्लेखनीय बीमारी नहीं थी, सिवाय सिर में फोड़े के अलावा जिसका कि ब्लेड, ड्रेसिंग के जरिए उपचार किया गया था। बच्चे की मां और रिश्तेदारों के अनुसार बच्चा न तो कुपोषित था और न ही उसका वजन कम था। जन्म के समय और टीकाकरण के समय वजन का पता लगाया नहीं जा सका।

परिवार का इतिहास / सामाजिक-आर्थिक स्थिति - बच्चे का एक बड़ा भाई है जो 3 साल का है और स्वस्थ है। परिवार कम आयवर्ग के अंतर्गत आता है।

3.2 पोस्टमार्टम रिपोर्ट - पोस्टमार्टम 9 अक्तूबर 2014 को किया गया था। लंबाई - 70 सेमी, वजन - 8 किलो। औसत गठन। कोई बाहरी चोट नहीं। मुंह और आंख आंशिक रूप से खुले थे। झिल्ली और मस्तिष्क संकुलित था। फुस्फुस, दोनों फेफड़े संकुलित थे। हृदय का दायां हिस्सा भरा था। पेट में करीब 20 एमएल तरल पदार्थ था। छोटी आंत खाली थी जबकि बड़ी आंत में आंशिक रूप से मल से भर था। दोनों गुर्दे, जिगर और तिल्ली संकुलित थी। पित्त मूत्राशय भरा था।

मौत का कारण: पता नहीं चल सका। विसरा रासायनिक विश्लेषण के लिए संरक्षित किया जा रहा है।

3.3 टीकाकरण के लिए इस्तेमाल किया गया टीका - खसरा और जेई (टैली शीट के अनुसार)। एएनएम भी बताती हैं कि बच्चे को खसरा और जेई का टीका दिया गया था।

बी) बच्चा एम, 10 महीने, पुरुष। अस्पताल में भर्ती नहीं किया गया। उपचार के बिना मौत।

<u>वर्तमान बीमारी का इतिहास (बच्चे एम की मां से) -</u>

मां के अनुसार बच्चे एम को 8 अक्टूबर 2014 को दिन में करीब 2 बजे टीका लगाया गया था। उन्होंने कहा कि टीकाकरण से पहले बच्चा एम जाहिरा तौर पर स्वस्थ था। इंजेक्शन लगने के करीब 15 मिनट बाद उसे उल्टी (कुल 2-3 बार) और दस्त शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि उसे बुखार, कंपकंपी या फिट नहीं था। उल्टी 2-3 बार होकर बंद हो गई। उन्होंने बच्चे को बिस्कुट खिलाकर स्तनपान कराया, जिसे बच्चे ने उल्टी कर दिया। वह घर में अकेली थी इसलिए दिनभर और पूरी रात बच्चे को उपचार नहीं दिला सकी। उसके सास-ससुर पूरी रात खेत में रहे और अगले दिन सुबह करीब 5:00 बजे लौटे। उस समय तक दस्त जारी था। बच्चे को रात में ही पेशाब बंद हो गया था। सुबह 5:30 बजे जब बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, उसकी मौत हो गई। मां खुद को कोस रही थी कि उसने पैरासीटामाल की गोली नहीं दी जिसे आम तौर पर माता-पिता को टीका लगने के बाद दिया जाता है।

पिछला चिकित्सा इतिहास : महत्वहीन

पिछला इतिहास - टीकाकरण के दौरान बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ दिख रहा था और मां का दावा है कि वह कुपोषित या कम वजन का नहीं था। रिकॉर्ड की अनुपलब्धता के कारण इसका पता नहीं चल सका।

परिवार का इतिहास / सामाजिक-आर्थिक स्थिति - परिवार बहुत गरीब है, जिसमें बच्चा, मां, पिता और दादा आदि हैं। बच्चा परिवार में पहला था। हालांकि घर गांव के बीचोंबीच अन्य घरों से घिरा हुआ है, लेकिन बच्चा बीमार होने के बाद भी मां ने किसी अन्य से मदद नहीं मांगी और न ही पड़ोस में रहने वाली आशा या आंगनबाड़ी को इसके बारे में बताया।

3.2 पोस्टमार्टम रिपोर्ट - पोस्टमार्टम 9 अक्तूबर 2014 को किया गया। लंबाई - 60 सेमी, वजन - 9 किलो। औसत गठन। कोई बाहरी चोट नहीं। झिल्ली और मस्तिष्क संकुलित था। फुस्फुस, दोनों फेफड़े संकुलित थे। हृदय का दायां हिस्सा भरा था। पेट में करीब 20 मिलीलीटर तरल पदार्थ था। छोटी आंत खाली थी जबकि बड़ी आंत में आंशिक रूप से मल से भर था। दोनों गुर्दे, जिगर और तिल्ली संकुलित थी। पित्त मूत्राशय भरा था। मूत्राशय आधा भरा था।

मौत का कारण: पता नहीं चल सका। विसरा रासायनिक विश्लेषण के लिए संरक्षित किया जा रहा है।

3.3 टीकाकरण के लिए इस्तेमाल किया गया टीका - खसरा और जेई (टैली शीट के अनुसार)। एएनएम भी बताती हैं कि मुकेश को खसरा और जेई का टीका दिया गया था।

सी) बच्ची पी, 10 महीने, महिला। **अस्पताल में भर्ती, स्वस्थ हो गई।**

वर्तमान बीमारी का इतिहास - (स्रोत - बच्ची पी के पिता)

पिता के अनुसार, बच्ची पी को जब 8 अक्टूबर को करीब 1:30 बजे जब टीका लगाया गया तो वह पूरी तरह से स्वस्थ थी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा गया है कि बच्चे के दाहिने हाथ पर केवल एक इंजेक्शन लगाया गया, दो नहीं। टीका लगने के करीब दो घंटे बाद बच्ची को तेज बुखार, उल्टी, दस्त आने लगा। पीसीएम की एक चौथाई गोली के बाद उल्टी बंद हो गई, लेकिन दस्त जारी रहा। बच्ची को आधी रात में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

बेड हेड टिकट नोट से -

परीक्षण में - सामान्य हालत - कम, बढ़ा तापमान, पल्स-100 / मिनट, आरआर-22 / मिनट, सीवीएस, सीएनएस- एनएडी (बाल संदर्भ, रोग का निदान के बारे में बताया)। दिया गया उपचार - चार तरल पदार्थ, इंजेक्शन जेंटामाइसीन, इंजेक्शन मेट्रोजिल, इंजेक्शन एसिलॉक, इंजेक्शन पीसीएम।

रात में करीब सवा बजे परिवार ने चिकित्सा सलाह पर अस्पताल छोड़ दिया और उसे दूसरे डॉक्टर (डॉ यूएम) के पास ले गए, जहां से डॉ आरपी के पास ले गए जिन्होंने सुबह 7 बजे उपचार किया। उन्होंने सेफ्ट्रीएक्सोन, एस्पिरिन, पैरासीटामाल, स्यूडोफेड्राइन, रेसेकाडोट्रिल, ओआरएस के साथ ही प्रोबायोटिक्स और नेबुलाइजेशन दिया साथ ही लेवोब्यूट्रोल तथा ब्यूडेनासाइड दिया। एक इंजेक्शन दिया, नेबुलाइजेशन कराया और कुछ जांचें लिखीं। इस इलाज के बाद बच्ची का दस्त रुक गया और बुखार जाता रहा।

इसके बाद बच्ची को 9 अक्टूबर को शाम 4 से 4:30 बजे के बीच फिर से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच में तापमान 99 डिग्री था। उसे उपचार दिया गया - इंजेक्शन पीसीएम, इंजेक्शन सेफ्ट्रीएक्सोन, इंजेक्शन एमिकासिन, इंजेक्शन पेरिनॉर्म, इंजेक्शन एसिलॉक,। अगले दिन (10 अक्तूबर) को इंजेक्शन डेक्सा बढ़ाया गया। जांच में शरीर का तापमान बढ़ा पाया गया। जांच परिणाम - हीमोग्लोबिन 8.2 ग्राम प्रतिशत, मलेरिया परजीवी नकारात्मक, वाइडल जांच नकारात्मक, प्लेटलेट्स- 1.2 लाख। बच्ची सामान्य थी और उसे अगले (11 अक्टूबर) दिन सुबह डिसचार्ज कर दिया गया।

पिछला चिकित्सा इतिहास-महत्वहीन

पिछला इतिहास - टीकाकरण के दौरान बच्ची पूरी तरह से स्वस्थ दिख रहा थी। वह कुपोषित या कम वजन वाली नहीं थी।

परिवार का इतिहास / सामाजिक आर्थिक स्थिति - परिवार मध्यम आय वर्ग का है। इस जोड़ी का यह पहला बच्चा है। किसी भी बीमारी का कोई पिछला इतिहास नहीं है।

टीकाकरण के लिए इस्तेमाल वैक्सीन -खसरा और जेई (टैली शीट के अनुसार)। पिता के अनुसार केवल एक टीका दिया गया। एएनएम भी कहती है कि माता पिता के अनुरोध पर केवल एक टीका दिया गया था।

डी) बच्चा एएम, 10 महीने, पुरुष। **बुखार के अलावा कोई लक्षण नहीं। निरीक्षण के लिए अस्पताल में भर्ती फिर छुट्टी दे दी गई।**

वर्तमान बीमारी का इतिहास (स्रोत - एफआईआर और बेड हेड टिकट नोट)

बच्चा एएम 8 अक्टूबर की सुबह स्वस्थ था। उसे 8 अक्टूबर को करीब 1:20 पर इंजेक्शन दिया गया। उसे 9 अक्टूबर की सुबह 4 बजे बुखार था। कोई अन्य लक्षण नहीं। उसे एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया जहां करीब 10:00 बजे निरीक्षण के लिए भर्ती कराया गया, क्योंकि वह उन बच्चों में से एक था जिसे 8 अक्टूबर को टीका दिया गया था। उसी दिन टीका लगने वाले दो बच्चों की मौत हो चुकी थी।

बेड हेड टिकट नोट से -

परीक्षण में - सामान्य हालत - कम, बढ़ा तापमान, पल्स-100 / मिनट, आरआर-22 / मिनट, सीवीएस, सीएनएस- एनएडी। उपचार दिया गया - सीरप पीसीएम, सीरप सेफाड्रॉक्स। उसी दिन शाम को अस्पताल से छुट्टी।

पिछला चिकित्सा इतिहास-महत्वहीन

टीकाकरण के लिए इस्तेमाल इंजेक्शन - खसरा और जेई (टैली शीट के अनुसार) केवल एक टीका (इंजेक्शन) जब टेलीफोन पर संपर्क माता पिता के प्रति के रूप में दिया। एएनएम भी कहती है कि केवल एक ही टीका दिया।

3.4 अन्य बच्चों की महामारी की जांच

बाकी के 14 शिशुओं को स्वस्थ पाया गया सिवाय एक दंपत्ति के जिन्होंने टीके की जगह पर सूजन की बात बताई। ऐसे बच्चों के मां-बाप से बातचीत में, जिन्हें सत्र की टैली शीट के अनुसार एक से अधिक टीके दिए गए थे, यह बात सामने आई कि एएनएम ने केवल एक ही टीका दिया था जबकि टैली शीट पर दोनों टीके दिए जाने पर निशान लगाती आ रही थी।

3.5 इंजेक्शन सुरक्षा और कोल्ड चेन प्रबंधन का निरीक्षण

पीएचसी पर कोल्ड चेन का अच्छा पाया गया साथ ही भंडारण की स्थितियां और रजिस्टरों का रखरखाव अच्छी गुणवत्ता का पाया गया। पर्याप्त सीरिंज उपलब्ध थे। टीके वैकल्पिक टीका वितरण तंत्र के माध्यम से पीएचसी एस से अतिरिक्त पीएचसी बीएच को भेजे गए जो गांव एम से 3-4 किलोमीटर दूर है। एएनएम ने वैक्सीन कैरियर से सुबह करीब 10 बजे टीका उठाया और शाम को 3:30 से 4:00 बजे तक वापस कर दिया।

सत्र के दौरान इस्तेमाल की गई खसरा और जेई वैक्सीन की तारीख और समय थे - 8 अक्टूबर सुबह 11:30 और 11:35 क्रमश:।

गांव की आशा सुश्री बी के साथ बातचीत में यह स्पष्ट किया गया कि एएनएम ने 8 अक्टूबर को दो सत्र चलाए थे। पहला सत्र मूल रूप से आंगनबाड़ी केंद्र के पर तय था जहां वह एक से दो घंटे तक बैठी थी और दूसरा सत्र आंगनबाड़ी केंद्र एस पर तय था जहां 1 बजे के बाद टीकाकरण किया गया था। केंद्र एस पर 18 सितंबर को टीकाकरण में चूका था, एसएनआईडी की वजह से। दोनों ही सत्रों में एक ही पुनर्गठन शीशियों का एक ही टीका वाहक के साथ इस्तेमाल किया गया था।

एएनएम ने बताया कि अक्सर इस्तेमाल की गई टीका शीशियों (डीपीटी, ओपीवी, हेप बी) का बर्फ के पैक के बाहर रखती थी, जबकि कम उपयोग में आने वाली टीका शीशियों को वैक्सीन कैरियर में ही रखती थी और जरूरत पर ही निकालती थी।

एएनएम केएस के साथ साक्षात्कार

8 अक्टूबर को पीएचसी एस के अधीन इलाकों में माइक्रोप्लान के अनुसार 18 सत्र किए जाने थे। इन सत्रों में से एक आंगनबाड़ी केंद्र के गांव एम में था। तय सूची के अनुसार तथा आवश्यक वैक्सीन एवं सीरींज के मुताबिक एक वैक्सीन कैरियर जिसमें खसरा (एक विलायक के साथ), जेई (एक विलायक के साथ), डीपीटी, ओपीवी, बीसीजी (एक विलायक के साथ), हेपेटाइटिस बी वैक्सीन और 0.5 एमएल एडी के 30 सीरींज, 0.1 एमएल एडी के 10 सीरींज, 3 पुनर्गठन सीरींज (5 एमएल) को एवीडी के माध्यम से पीएचसी बीएच पर पीएचसी एस से भेजा गया था। एएनएम सुश्री केएस वैक्सीन कैरियर को पीएचसी बीएच से सुबह करीब 10 बजे लिया था और उसे लेकर गांव एम में एडब्ल्यूसी के पर करीब 11 बजे पहुंची थी। वहां उनकी मुलाकात आशा बी से हुई थी जिन्होंने बच्चों और गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। टीकाकरण का कार्य सुबह 11:30 बजे से शुरू हुआ।

एनएनएम केस के अनुसार, सत्र के दौरान उन्होंने सेशन टैली शीट पर लाभार्थियों का विवरण (अनुलग्नक 1) में उसी क्रम में दर्ज किया जिस क्रम में महिलाओं एवं बच्चों को टीका दिया गया। उसने कुछ अन्य रिकॉर्ड अलग से अपनी डायरी में दर्ज करने की बात बताई (अनुलग्न 2)। टैली शीट के अनुसार टीकाकरण के लिए पहुंचे पहले बच्चे को डीपीटी, हेपेटाइटिस बी तथा अोपीवी दिया गया। दूसरे नंबर पर बच्चा पी था जिसे खसरे की पहली खुराक और जेई की पहली खुराक दी गई। उसने 11:30 बजे खसरा के टीके का पुनर्गठन किया, जबकि 11:34 बजे जेई वैक्सीन का। साक्षात्कार में एएनएम ने कहा कि उसने बच्चे पी को खसरे का टीका दिया लेकिन जेई का टीका नहीं दे सकी क्योंकि मां-बाप ने एक ही दिन में दो टीके लगाने की सहमति नहीं दी। लेकिन एएनएम ने इस सत्र की टैली शीट में बच्चे पी को जेई तथा खसरा दोनों के टीके दिए जाने की बात दर्ज की। इस बात की पुष्टि बच्चे पी के माता-पिता ने भी की कि बच्चे को सिर्फ एक टीका दिया गया। इसके बाद उसने कुछ और बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं को डीटीपी, टीटी, बीसीजी, हेपेटाइटिस बी तथा ओपीवी के टीके दिए। इसके बाद बच्चा एम (10एम/एम) करीब 12:30 बजे जेई और खसरा का टीका लगवाने के लिए पहुंचा। उसने उसे दाेनों टीके लगाए और घर भेज दिया।

केएस का दावा है कि 12:30 बजे वह टीकाकरण के दूसरे सत्र के लिए एडब्ल्यूसी के लिए रवाना हो गई। एस गांव के भीतर गई जहां कुछ और बच्चों को टीके दिए गए। उनमें से एक बच्चा एएम (9एम/एम) जिसे जेई और खसरा दोनों का टीका दिया जाना था, लेकिन सिर्फ एक ही टीका एएनएम दे सकी क्योंकि बच्चे की मां नहीं चाहती थी कि दोनों टीके एक ही दिन लगें। इस मामले में भी एएनएम ने दर्ज किया कि बच्चे को खसरा और जेई दोनों की वैक्सीन दी गई। उस दिन टीका लगने वाला आखिरी बच्चा था ए (9एम/एम) जिसे खसरा और जेई दोनों के टीके दिए गए। एएनएम के अनुसार यह 1:30 बजे से ठीक पहले तब दिया गया जब वह एडब्ल्यूसी से टीकाकरण के बाद लौट रही थी और टीकाकरण के पहले स्थान के सामने से गुजर रही थी। चूंकि शीशी के पुनर्गठन को दो घंटे से अधिक का वक्त नहीं बीता था इसलिए उसने जेई का टीका लगा दिया। इसके बाद वह गांव में करीब एक से डेढ़ घंटे तक रही, एडब्ल्यूसी, के पर लगभग 3:00 बजे तक फिर वैक्सीन कैरियर लेकर पीएचसी बीएच के लिए रवाना हुई 4:00 बजे तक वैक्सीन रखने के लिए, जहां से वह अन्य वैक्सीन कैरियर के साथ वापस पीएचसी एस को चला जाता।

एएनएम ने यह भी कहा कि उसने टीके को हर समय ज़िप बैग में वैक्सीन वाहक में रखा और आवश्यकता के अनुसार ही उन्हें बाहर निकाला। जब किसी खास टीके के लिए कई सारे लाभार्थी आए तो उसने बर्फ का पैक बाहर निकाला और वैक्सीन काे उसी पर रखा। खसरा और जेई के टीकों को ज्यादातर वैक्सीन वाहक पैक में ही रखा गया, क्योंकि उसके केवल 2 से 4 लाभार्थी ही थे।

अन्य सूचना

दो बच्चों की मौत व अन्य को भर्ती कराए जाने के कारण गांव में आंतक था। सड़क का अवरुद्ध किया गया था। प्रशासनिक और स्वास्थ्य अधिकारियों ने बहुत हस्तक्षेप किया। गांव एम और पड़ोस के गांव आर से 16 ऐसे बच्चों को जिला अस्पताल ले जाया गया जिन्हें बुखार या कोई अन्य लक्षण था। उन्हें निगरानी में रखा गया और जरूरी उपचार दिए गए (अनुलग्न 3 - मामलों की सूची तथा अस्पताल में भर्ती केस)। भर्ती किए गए 16 बच्चों में से 7 गांव आर से थे जबकि 11 गांव एम से थे। उनमें से कुछ ऐसे भी थे जिन्हें वैक्सीन नहीं दिया गया था, लेकिन वे बीमार थे। सभी को उसी दिन शाम को डिसचार्ज कर दिया गया।

विमर्श

1. गांव एम में, एएनएम ने दो सत्रों का संपादन किया और उसने एक ही वैक्सीन वाहक और टीके का उपयोग दोनों सत्रों के लिए किया।एक सत्र के स्थान की दूरी से दूसरे सत्र के स्थान की दूरी लगभग एक किलोमीटर है।

2. दोनों खसरा और जेई के टीके का पुनर्गठन 11:30- 11:35 पूर्वान्ह पर किया गया।

3. तीन बच्चेे (बाल ए, बाल एम-बाल पी) उच्च प्रकार के बुखार, उल्टी और दस्त से पीड़ित हो गए और सभी तीनोंं को अस्पताल में भर्ती कराने और उपचार की जरुरत थी । वे तीन बच्चे उन चार में से थे जिन्होंने उस दिन खसरा और जेई टीके टैली शीट के अनुसार प्राप्त किए थे।

4. मिलान पत्र के अनुसार, एक और बच्चेे ने खसरा और जेई वैक्सीन प्राप्त किया, लेकिन उसे कुछ नहीं हुआ।

5. अन्य सभी बच्चों को जो उस दिन खसरा और जेई के अलावा अन्य टीके प्राप्त किए थे, ठीक थे।

6. कहा जा सकता है कि कोल्ड चेन और वैक्सीन सुरक्षा से समझौता किया गया, पुनर्गठित शीशियों को वैक्सीन वाहक के अंदर रखा गया और जब भी जरूरत हुई बाहर ले जाया गया ।

7. शीशियों की जाँच पर, यह पाया गया कि जेई का टीका था

8. माता-पिता के अनुसार बालक पी, ए, एम और एएम को 1:00 बजे पूर्वाह्न उसी दिन टीका लगाया गया।

9. एनएनएम ने बताया कि उसने सिर्फ एक टीका लगाया (माता-पिता के अनुरोध पर जैसा कि वे बच्चे को एक ही दिन में दोनों टीका नहीं लगवाना चाहते थे), लेकिन दिखाया कि बच्चे को दोनों टीके लगे हैं।

10. एएनएम का दावा है कि चार बच्चों में से कुछ ने खसरा और जेई दोनों टीके लगवाए जबकि कुछ ने केवल खसरा का टीका लगवाया (एएनएम का डायरी नोट देखें - अनुलग्नक 2)। यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है कि किसने कौन सा इंजेक्शन लगवाया और कब लगवाया क्योंकि कुछ माताओं के पास समय देखने के लिए न तो घड़ी थी और न ही माेबाइल आदि इसलिए इसका अनुमान ही है। बच्चे पी के मामले में मां-बाप का दावा है कि बच्चे को इंजेक्शन 2-2:30 के बीच लगा था जबकि वह सूची में दूसरे नंबर पर है, जिसके मुताबिक उसे सुबह 11:40 के आसपास सुई लगी होगी। उस दिन के सत्र में सबसे अंत में टीका लगवाने वाला बच्चा ए, जिसकी मौत हो गई, टैली शीट के अनुसार सबसे अाखिरी था। जान गंवाने वाले बच्चे एम को भी 1:00 बजे के आसपास एएम से पहले टीका दिया गया था, लेकिन एएम को कुछ नहीं हुआ।

11. लक्षण विषाक्त आघात सिंड्रोम (दस्त, उल्टी और उच्च ग्रेड बुखार, तेजी से शुरू होने) कमजोर कोल्ड चेन और वैक्सीन सुरक्षा प्रथाओं का सूचक हैं, इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि ऐसा एईएफआईएस कार्यक्रम की त्रुटि के कारण हुआ।हालांकि, यह कह पाना कठिन है कि किस टीका केे कारण विषाक्त आघात सिंड्रोम है। यह भी निर्णायक तौर पर कहना कठिन है कि किस बच्चे को केवल खसरे का टीका लगा और किसको खसरा और जेई का टीका दाेनो ।

	बच्चा ए	**बच्चा एम**	**बच्चा पी**	**बच्चा एम**
मिलान पत्र के अनुसार टीके प्राप्त करने के अनुक्रम	अंतिम (टैली शीट पर एनo.22)	दूसरा (टैली शीट में 9 वें नंबर पर)	प्रथम (टैली शीट में संख्या 2)	तीसरा (टैली शीट में सं. 17 पर)
माता-पिता के अनुसार टीके प्राप्त करने का समय	1.:30 अपरान्ह	2.:00 अपरान्ह	1.:30 अपरान्ह	1.:20 अपरान्ह
एएनएम और मिलान पत्र के अनुसार टीके प्राप्त करने का समय	1.:30 अपरान्ह	12.:30 अपरान्ह	11:45 पूर्वाह्न	1.:00 अपरान्ह
माता-पिता के अनुसार इंजेक्शन की संख्या	एक	एक है, लेकिन यकीन केे साथ नहीं कहा जा सकता है	एक बहुत यकीन के साथ	एक। पक्का
एएनएम को दिए गए टीके	उसका नाम दो बार लिखा है - एक के खिलाफ "नहीं जेई" लिखा है और एक के खिलाफ 'हाँ' लिखा है।	खसरा और जेई दोनों।	केवल खसरा।	डायरी में नाम नहीं। शायद केवल खसरा।

<u>दस्तावेजों की सूची:</u>

अनुलग्नक 1 - गांव एम और आर के बच्चों की सूची जिनकों 08 / 09 वीं अक्टूबर 2014 को टीके लगे या अस्पताल में भर्ती कराया गया।

संख्या.	नाम	लिंग	गांव जहां सत्र आयोजित किए गए	सूची के अनुसार प्राप्त वैक्सीन	आयु	टीकाकरण का समय (08 अक्टूबर)	लक्षणों की शुरुआत का दिनांक और समय	अस्पताल में भर्ती होने की तिथि	प्रवेश का समय	लक्षण:	परिणाम	दिनांक और मृत्यु का समय	छुट्टी की तारीख	नैदानिक उपचार
1	ए	पु	एम	खसरा, जेई	10 माह	13:30	18-10-2014: 18:00	08-10-2014	22:45	बुखार, उल्टी, दस्त	मृत्यु	09-10-2014 01:00	उपलब्ध नहीं	दस्त, उल्टी, निर्जलीकरण के साथ माक्षिक और अकड़न
2	एम	पु	एम	खसरा, जेई	10 माह	13:00	08-10-2014: 19:00			बुखार, उल्टी, दस्त	मृत्यु	09-10-2014 05:00	उपलब्ध नहीं	
3	पी	महिला	एम	खसरा, जेई	10 माह	12.:00	08-10-2014: 10:00	09-10-2014	00: 30	बुखार, दस्त, उल्टी	बरामद	उपलब्ध नहीं	11-10-2014	निर्जलीकरण के साथ तीव्र दस्त
4	एएम	एम	पु	खसरा, जेई	10 माह	13:20	09-10-2014 05:00	09-10-2014	10.:00	बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
5	एलके	महिला	एम	डीपीटी, हीपेटाहटिस -बी, ओपीवी	5 माह	सत्र में टीका लगाया लेकिन कोई लक्षण नहीं , अस्पताल में भर्ती नहीं किया गया, इसलिए प्राथमिकी नहीं								
6	एचए	पु	एम	डीपीटी, हीपेटाहटिस -बी, ओपीवी	8 माह									
7	पीआर	महिला	एम	डीपीटी, ओपीवी	5 माह	12:20	09-10-2014 04:00	09-10-2014	10.:01	इंजेक्शन स्थल पर दर्द, बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
8	जेेयू	महिला	एम	बीसीजी, डीपीटी, बी, हीपेटाइटिस-बी, ओपीवी	2 माह	12:25	09-10-2014 05:00	09-10-2014	11:25	बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
9	एसएच	पु	एम	डीपीटी, हीपेटाहटिस -बी, ओपीवी	1.5 माह	12:30	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	11:20	एच / ओ टीकाकरण के दो दिन पहले दस्त-उपचार में अब कोई लक्षण।	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
10	एसई	पु	एम	डीपीटी, हीपेटाहटिस -बी, ओपीवी	7 माह	सत्र में टीका लगाया लेकिन कोई लक्षण नहीं , अस्पताल में भर्ती नहीं किया गया, इसलिए प्राथमिकी नहीं								
11	केओ	महिला	एम	डीपीटी, हीपेटाहटिस -बी, ओपीवी	6 माह	12:50	09-10-2014 05:00	09-10-2014	12.:00	इंजेक्शन स्थल पर दर्द, बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
12	एसए	एम	एम	डीपीटी, हीपेटाहटिस -बी, ओपीवी	1.5 माह	13:10	08-10-2014: 23:00	09-10-2014	11:48	इंजेक्शन स्थल पर दर्द, बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
13	जीई	महिला	एम	डीपीटी, हीपेटाहटिस -बी, ओपीवी	3 माह	13:15	09-10-2014 05:00	09-10-2014	11:50	इंजेक्शन स्थल पर दर्द, बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
14	बीयू	महिला	एम	डीपीटी, हीपेटाहटिस -बी, ओपीवी	2 माह	13:25	09-10-2014 04:00	09-10-2014	11:59	इंजेक्शन स्थल पर दर्द, बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
15	डीई	पु	आर	डीपीटी, हीपेटाहटिस -बी, ओपीवी	10 माह	11:45	09-10-2014 03:00	09-10-2014	15.:40	बुखार, एलर्जी से दानेे	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
संख्या	नाम	लिंग	गांव जहां सत्र आयोजित किए गए	सूची के अनुसार प्राप्त टीका	आयु	टीकाकरण का समय (08 अक्टूबर)	लक्षणों की शुरुआत का दिनांक व समय	अस्पताल में भर्ती होने की तिथि	प्रवेश का समय	लक्षण:	परिणाम	मृत्यु का दिनांक और समय	छुट्टी की तारीख	नैदानिक उपचार
16	ए/एम	एम	आर	डीपीटी, हीपेटाहटिस -बी, ओपीवी	4 माह	11:15	09-10-2014 05:00	09-10-2014	15.:10	बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
17.	एआई	पु	आर	डीपीटी, हीपेटाहटिस -बी, ओपीवी	2.5 माह	12. 10	08-10-2014: 21:00	09-10-2014	14:20	बुखार, उल्टी (3-4 एपिसोड)	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
18.	एएस	पु	आर	डीपीटी, हीपेटाहटिस -बी, ओपीवी	3 माह	12:25	09-10-2014 04:00	09-10-2014	14:55	बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
19	एएच	पु	आर	खसरा, जेई	9 माह	12:35	09-10-2014 05:00	09-10-2014	15.:50	इंजेक्शन स्थल पर दर्द, बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
20	एसएच	पु	आर	डीपीटी, हीपेटाहटिस -बी, ओपीवी	4 माह	12:40	09-10-2014 04:00	09-10-2014	14.:00	इंजेक्शन स्थल पर दर्द, बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
21	एसयू	पु	आर	खसरा, जेई	1 साल	13:00	09-10-2014 06:00	09-10-2014	14.:10	इंजेक्शन स्थल पर दर्द, बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
22	पीए	महिला	एम	टीकाकरण नहीं किया गया	3.5 माह		उपलब्ध नहीं	09-10-2014	11:52 पूर्वाह्न	बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
23	एडी	पु	एम	टीकाकरण नहीं किया गया	9.5 माह		उपलब्ध नहीं	09-10-2014	9:55 पूर्वाह्न	बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
24	एस	महिला	एम	टीकाकरण नहीं किया गया	3 माह		उपलब्ध नहीं	09-10-2014	11:56 पूर्वाह्न	बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	
25	एसओ	पु	एम	टीकाकरण नहीं किया गया	6 माह		उपलब्ध नहीं	09-10-2014	12.:00 अपरान्ह	बुखार	छुट्टी दे दी	उपलब्ध नहीं	09-10-2014	